भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2701 का उत्तर

ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग

2701. श्री जगदम्बिका पाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऑटोमेटिक सिगनलिंग प्रणाली का ब्यौरा क्या है तथा इससे रेल परिचालन में किस प्रकार सुधार होगा;

(ख) भारतीय रेल पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की व्यवस्था के लिए मौजूदा दिशा-निर्देशों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पिछले दस वर्षों के दौरान कितने किलोमीटर मार्ग पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की व्यवस्था की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): ऑटोमेटिक सिगनल प्रणाली रेलगाड़ी चालन की एक प्रणाली है जिसमें गाड़ियों की आवाजाही को ऑटोमेटिक स्टॉप सिगनल द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ये सिगनल स्वचालित सिगनल खंडों में गाड़ियों के आने और जाने से स्वचालित रूप से संचालित होते हैं। इस प्रणाली में, दो स्टेशनों के बीच ब्लॉक खंड में एक से अधिक गाड़ी को चलाया जा सकता है।

ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनल प्रणाली से मौजूदा रेलपथ अवसंरचना के भीतर लाइन क्षमता बढ़ जाती है।

ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली से संरक्षा में भी सुधार होता है क्योंकि सभी समपार फाटकों को इंटरलॉक करना अपेक्षित होता है और पूरे रेलपथ पर गाड़ी संसूचन उपकरण लगाए जाते हैं।

सभी अधिसूचित उपनगरीय खंडों और क्षेत्रीय रेलों द्वारा चिह्नित मार्गों पर यातायात संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

वर्ष 2004-2014 की तुलना में 2014-2024 के दौरान भारतीय रेल पर मुहैया कराई गई ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली का ब्यौरा निम्नानुसार हैः-

अवधि	ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली मुहैया कराने से संबंधित प्रगति
2004-2014	1486 मार्ग किलोमीटर
2014-2024	2497 मार्ग किलोमीटर (लगभग 1.7 गुना)

*****